Title: Need to take steps to check virus infection affecting prawn-culture in Sandeshsthal village of Meenakshi Block, South 24 Parganas district, West Bengal.

श्री विष्णु पद राय : अध्यक्ष जी, हाल ही में मैं पंचायत के चुनाव में बंगाल गया था। जहां मैं गया था वहां के गांव का नाम संदेशस्थल है और ब्लॉक का नाम मीनाक्षी। साउथ अपर्णा में करीब-करीब दो हजार मछली का भेड़ी है। एक लाख बीघा में वहां लोग प्रॉन्स-कल्चर करते हैं, झींगा का पालन करते हैं। पिछले तीन साल से उस भेड़ी में, मछली के कल्चर में, वायरस लग चुका है। टाइगर प्रॉन्स को लोकल लोग पाबदा मछली कहते हैं और झींगा को गलदा मछली कहते हैं। उस पर अप्रैल-मई के महीने में वायरस लग रहा है जिसके परिणामस्वरूप वहां का वातावरण दूषित हो रहा है। वहां खेतीबाड़ी नहीं होती है और वहां के लोगों की कमाई का जरिया झींगा-पालन है। वह झींगा मछली जापान, साउथ-ईस्टर्न के देशों में जाती है।

पिछले तीन साल से उस पर वायरस लगा है। दुनिया की मार्किट में इसका पता लगने से भारत की झींगा मछली का एक्सपोर्ट बंद हो जाएगा। केन्द्र सरकार इसमें कार्रवाई करे। पिछले तीन साल से वहां की सीपीएम सरकार इस मामले में चुपचाप बैठी है। उसने इसकी रोकथाम के लिए कोई उपाय नहीं किए। यह लोगों की जीविका का प्रश्न है। केन्द्र सरकार इस मामले में जरूर कार्रवाई करे।